REC Limited | आर ई सी लिमिटेड
(भारत सरकार का महारत्न उद्यम) (A Maharatna Government of India Enterprise)
पंजीकृत कार्यालयः कोर–4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
कॉर्पोरेट कार्यालयः प्लॉट नं. आई–4, इफको चौक मेट्रो स्टेशन के पास,सेक्टर–29, गुरुग्राम–122001(हरियाणा)
दूरभाषः +91 124 444 1300 | वेबसाइटः www.recindia.nic.in
सीआईएनः L40101DL1969GOI005095 | जीएसटी नं.: 06AAACR4512R3Z3

एसईसी-1/187(2)/2026/3006 **दिनांक: 7 सितंबर , 2026**

लिस्टिंग विभाग, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड एक्सचेंज प्लाजा, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई –400 051	**कॉर्पोरेट संबंध विभाग** बीएसई लिमिटेड पहली मंजिल, फिरोज जीजीभोय टॉवर्स दलाल स्ट्रीट, फोर्ट, मुंबई – 400 001
स्क्रिप कोड-RECLTD	**स्क्रिप कोड-532955**
Listing Department National Stock Exchange of India Limited Exchange Plaza, Bandra kurla Complex, Bandra (East), Mumbai-400 051.	**Corporate Relationship Department** BSE Limited 1st Floor, Phiroze Jeejeebhoy Towers Dalal Street, Fort, Mumbai - 400 001.
Scrip Code-RECLTD	**Scrip Code-532955**

विषय : प्रेस विज्ञप्ति - आरईसी लिमिटेड ने सेबी के विनियामक सैंडबॉक्स रूपरेखा के अंतर्गत भारत के प्रथम प्रायोगिक टोकनयुक्त कॉर्पोरेट बॉण्ड निर्गम को सफलतापूर्वक जारी किया।

महोदय/ महोदया,

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 30 के अनुसरण में, आरईसी लिमिटेड ने सेबी के विनियामक सैंडबॉक्स रूपरेखा के अंतर्गत भारत के प्रथम प्रायोगिक टोकनयुक्त कॉर्पोरेट बॉण्ड निर्गम को सफलतापूर्वक जारी किया, शीर्षक से एक प्रेस विज्ञप्ति इसके साथ संलग्न है।

यह आपकी जानकारी के लिए है ।

धन्यवाद ,

भवदीय,
कृते आरईसी लिमिटेड
Digitally Signed

(दिनेश गर्ग)
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी

क्षेत्रीय कार्यालय : बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, देहरादून, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कोलकाता लखनऊ, मुंबई, पंचकूला, पटना, रायपुर, रांची, शिलांग, शिमला, तिरुवनंतपुरम और विजयवाड़ा
राज्य कार्यालय : वडोदरा, वाराणसी
प्रशिक्षण केंद्र : आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग (आरईसीआईपीएमटी), हैदराबाद

आरईसी REC
असीमित ऊर्जा, अनन्त संभावनाएं
Endless energy. Infinite possibilities.

REC Limited | आर ई सी लिमिटेड
(भारत सरकार का महारत्न उद्यम) (A Maharatna Government of India Enterprise)
पंजीकृत कार्यालयः कोर–4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
कॉर्पोरेट कार्यालयः प्लॉट नं. आई–4, इफको चौक मेट्रो स्टेशन के पास,सेक्टर–29, गुरुग्राम–122001(हरियाणा)
दूरभाषः +91 124 444 1300 | वेबसाइटः www.recindia.nic.in
सीआईएनः L40101DL1969GOI005095|जीएसटी नं.: 06AAACR4512R3Z3

प्रेस विज्ञप्ति

आरईसी लिमिटेड ने सेबी के विनियामक सैंडबॉक्स रूपरेखा के अंतर्गत भारत के प्रथम प्रायोगिक टोकनयुक्त कॉर्पोरेट बॉण्ड निर्गम को सफलतापूर्वक जारी किया।

नई दिल्ली, 07 सितंबर, 2026 - विद्युत मंत्रालय के अधीन एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) तथा एक अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-अवसंरचना वित्त कंपनी एनबीएफसी-आईएफसी, आरईसी ने भारतीय पूंजी बाजार में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त करते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के विनियामक सैंडबॉक्स रूपरेखा के अंतर्गत भारत के प्रथम प्रायोगिक टोकनयुक्त कॉर्पोरेट बॉण्ड निर्गम को जारी किया है।

पायलट निर्गम का आकार ₹500 करोड़ था (₹100 करोड़ के आधार निर्गम तथा ₹400 करोड़ के ग्रीन-शू विकल्प सहित) तथा बोली प्रक्रिया नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) के इलेक्ट्रॉनिक बिडिंग प्लेटफॉर्म ईबीपी पर आयोजित की गई। अत्याधुनिक बाजार नवाचारों के प्रति निवेशकों के गहरे विश्वास एवं उत्साह को प्रदर्शित करते हुए, इस निर्गम को निवेशकों से अत्यधिक उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई तथा ₹796 करोड़ की बुक बिल्डिंग दर्ज की गई (लगभग 8 गुना अभिदान)। आरईसी ने 1 वर्ष 9 माह की अवधि के लिए 7.30% प्रति वर्ष की कूपन दर पर ₹500 करोड़ स्वीकार किए हैं।

इस पायलट निर्गम की सफलता, सेबी, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) तथा सभी सहभागी बाजार अवसंरचना संस्थानों (एमआईआई) - जिनमें एनपीसीआई, निक्षेपागार तथा स्टॉक एक्सचेंज शामिल हैं - की दूरदर्शी सोच एवं समन्वित प्रतिबद्धता को दर्शाती है। टोकनयुक्त प्रणाली के माध्यम से तीव्र निपटान संभव हुआ, जिसके अंतर्गत बॉण्डों का भुगतान, आवंटन तथा सूचीबद्धता एक ही दिन में सम्पन्न हुई। उक्त बॉण्ड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई तथा बीएसई लिमिटेड में सूचीबद्ध हैं।

इस उपलब्धि पर बोलते हुए, **आरईसी के निदेशक (वित्त) श्री राजेश कुमार** ने कहा : "भारत के पूंजी बाजारों को प्रगतिशील विनियमों, हितधारकों के साथ सक्रिय परामर्श तथा प्रौद्योगिकी-संचालित सुधारों के माध्यम से सुदृढ़ बनाने में दूरदर्शी नेतृत्व प्रदान करने के लिए हम सेबी के प्रति अपनी गहन प्रशंसा व्यक्त करते हैं। कारोबार सुगमता, बाजार दक्षता में सुधार तथा विनियामक प्रक्रियाओं के शीघ्र निष्पादन पर सेबी के निरंतर फोकस ने भारत के वित्तीय बाजारों की गहराई एवं प्रत्यास्थता को उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ किया है।"

यह निर्गम भारत के पूंजी बाजार में एक परिवर्तनकारी प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके माध्यम से एटॉमिक डिलीवरी-विरुद्ध-भुगतान (डीवीपी) निपटान तथा साझा बहीखाता पारदर्शिता की शुरुआत की गई है।

"डीमैट 2.0" पहल तथा कॉर्पोरेट बॉण्डों का टोकनकरण भारत के ऋण बाजारों के विकास में एक ऐतिहासिक कदम है। डिजिटल अवसंरचना, वितरित बहीखाता प्रौद्योगिकी तथा केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) समर्थित निपटान का उपयोग करते हुए, तथा विद्यमान निवेशक संरक्षण एवं विनियामक सुरक्षा उपायों को बनाए रखते हुए, सेबी पूंजी बाजार अवसंरचना की अगली पीढ़ी की आधारशिला रख रहा है," श्री राजेश कुमार ने कहा।

डीमैट 2.0 के माध्यम से, प्रतिभूतियों के स्वामित्व का सुरक्षित अभिलेखन एवं अनुश्रवण एक अनुमतिप्राप्त वितरित बहीखाता पर किया जाता है, जिससे सांविधिक सुरक्षा उपायों एवं संस्थागत अनुपालन को बनाए रखते हुए निपटान जोखिम तथा प्रचालनात्मक अवरोध समाप्त हो जाते हैं।

क्षेत्रीय कार्यालय : बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, देहरादून, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कोलकाता लखनऊ, मुंबई, पंचकूला, पटना, रायपुर, रांची, शिलांग, शिमला, तिरुवनंतपुरम और विजयवाड़ा
राज्य कार्यालय : वडोदरा
प्रशिक्षण केंद्र : आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग (आरईसीआईपीएमटी), हैदराबाद